DAY —— 02 SEAT NUMBER

2019	II	22	1100	J-2	(H)

HINDI (04)

Time : 3 Hrs. (12 Pages) Max. Marks : 80

कृतिपत्रिका

कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ :

(१) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग करें।

(३) आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक है।

(४) व्याकरण विभाग तथा रचना विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तरों के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

Previous Pathshala

(१) गद्य विभाग : अंक - २०

कृति १ (अ) परिच्छेद पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ पूर्ण कीजिए : [८]

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

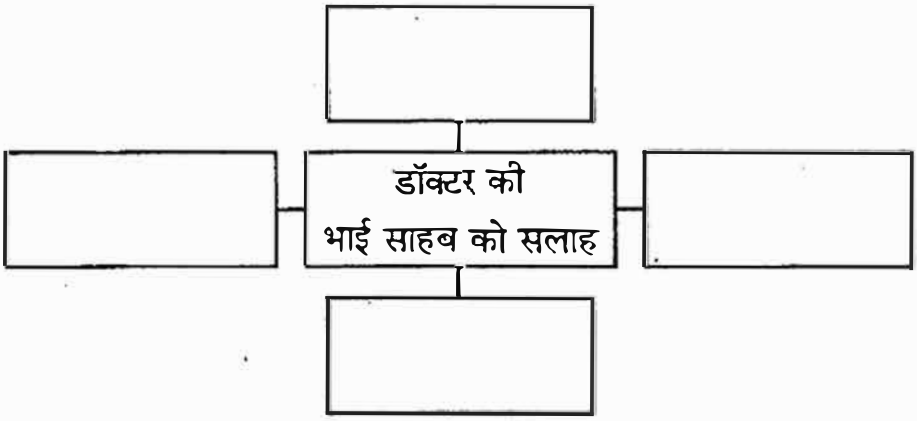

बुआ जी की अत्यधिक सतर्कता और खाने-पीने के इतने कंट्रोल के बावजूद अन्नू को बुखार आने लगा। सब प्रकार के उपचार करने-कराने में

Previous Pathshala

पूरा महीना बीत गया, पर उसका बुखार न उतरा। बुआ जी की परेशानी का पार नहीं, अन्नू एकदम पीली पड़ गई। 'उसे देखकर मुझे लगता मानो उसके शरीर में ज्वर के कीटाणु नहीं, बुआ जी के भय के कीटाणु दौड़ रहे हैं, जो उसे ग्रसते जा रहे हैं।' वह उनसे पीड़ित होकर भी भय के मारे कुछ कह तो सकती नहीं थी, बस सूखती जा रही है।

आखिर डॉक्टरों ने कई प्रकार की परीक्षाओं के बाद राय दी कि बच्ची को पहाड़ पर ले जाया जाय, और जितना अधिक उसे प्रसन्न रखा जा सके, रखा जाए। सब कुछ उसके मन के अनुसार हो, यही उसका सही इलाज है। पर सच पूछो तो बेचारी का मन बचा ही कहाँ था? भाई साहब के सामने एक विकट समस्या थी। बुआ जी के रहते यह संभव नहीं था, क्योंकि अनजाने ही उनकी इच्छा के सामने किसी और की इच्छा चल ही नहीं सकती थी। भाई साहब ने शायद सारी बात डॉक्टर के सामने रख दी, तभी डॉक्टर ने कहा कि माँ का साथ रहना ठीक नहीं होगा। बुआ जी ने सुना तो बहुत आना-कानी की, पर डॉक्टर की राय के विरुद्ध जाने का साहस वे कर नहीं सकीं सो मन मारकर वहीं रहीं।

जोर-शोर से अन्नू के पहाड़ जाने की तैयारी शुरू हुई। पहले दोनों के कपड़ों की लिस्ट बनी, फिर जूतों की, मोजों की, गरम कपड़ों की, ओढ़ने-बिछाने की, सामान की, बर्तनों की। हर चीज रखते समय वे भाई साहब को सख्त हिदायत कर देती थीं कि, एक भी चीज खोनी नहीं चाहिए – 'देखो, यह फ्रॉक मत खो देना, सात रुपए मैंने इसकी सिलाई दी है। यह प्याले मत तोड़ देना, वरना पचास रुपए का सेट बिगड़ जायेगा। और हाँ, गिलास को तुम तुच्छ समझते हो, उसकी परवाह ही नहीं करोगे, पर देखो, यह पंद्रह बरस से मेरे पास है और कहीं खरोंच तक नहीं है, तोड़ दिया तो ठीक न होगा।'

(२) कृति पूर्ण कीजिए : (२)

बुआजी ने भाई साहब को दी हिदायतें

(१) [ ]

(२) [ ]

(३) [ ]

(४) [ ]

Previous Pathshala

(३) निम्नलिखित शब्दों के लिए परिच्छेद में आए हुए विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (२)

(i) असतर्कता — ____________

(ii) ठंडा — ____________

(iii) लापरवाह — ____________

(iv) निर्भय — ____________

(४) 'जीवन में अनुशासन का महत्त्व' पर अपने विचार ६ से ८ पंक्तियों में लिखिए। (२)

(आ) परिच्छेद पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ पूर्ण कीजिए : [८]

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

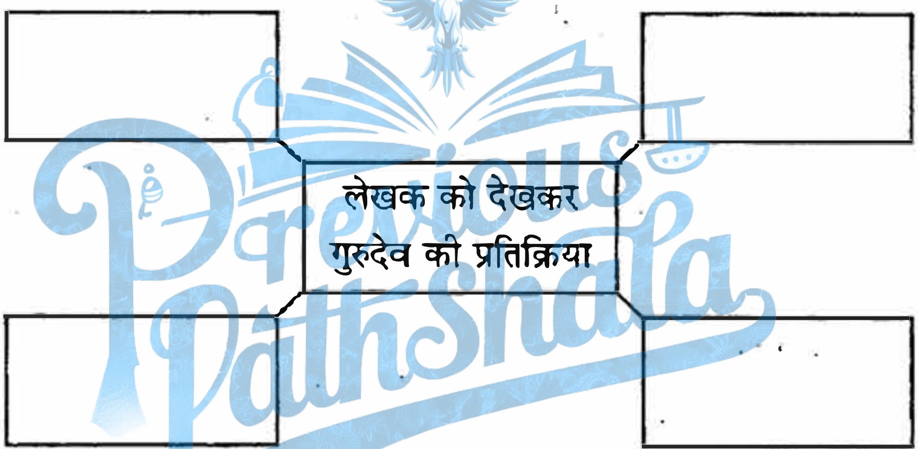

गुरुदेव यहाँ बड़े आनंद में थे। अकेले रहते थे। भीड़-भाड़ उतनी नहीं होती थी, जितनी शांतिनिकेतन में। जब हम लोग ऊपर गए तो गुरुदेव बाहर एक कुर्सी पर चुपचाप बैठे अस्तगामी सूर्य की ओर ध्यानस्तिमित नयनों से देख रहे थे। हम लोगों को देखकर मुस्कुराए, बच्चों से जरा छेड़-छाड़ की, कुशल प्रश्न पूछे और फिर चुप हो रह गए। ठीक उसी समय उनका कुत्ता धीरे-धीरे ऊपर आया और उनके पैरों के पास खड़ा होकर पूँछ हिलाने लगा। गुरुदेव ने उसकी पीठ पर हाथ फेरा। वह आँखें मूँदकर अपने रोम-रोम से उस स्नेहरस का अनुभव करने लगा। गुरुदेव ने हम लोगों की ओर देखकर कहा, "देखा तुमने, यह आ गए! कैसे इन्हें मालूम हुआ कि मैं यहाँ हूँ, आश्चर्य है। और देखो, कितनी परितृप्ति इनके चेहरे पर दिखाई दे रही है!"

Previous Pathshala

हम लोग उस कुत्ते के आनंद को देखने लगे। किसी ने उसे राह नहीं दिखाई थी, न उसे यह बताया था कि उसके स्नेहल यहाँ से दो मील दूर हैं और फिर भी वह पहुँच गया! इसी कुत्ते को लक्ष्य करने उन्होंने 'आरोग्य' में इस भाव की एक कविता लिखी थी - ''प्रतिदिन प्रातःकाल यह भक्त कुत्ता स्तब्ध होकर आसन के पास तब तक बैठा रहता है, जब तक अपने हाथों के स्पर्श से मैं इसका संग स्वीकार नहीं करता। इतनी-सी स्वीकृति पाकर ही उसके अंग-अंग में आनंद का प्रवाह बह उठता है। इस वाक्य-हीन प्राणिलोक में सिर्फ यही एक जीव अच्छा-बुरा सब को भेदकर संपूर्ण मनुष्य को देख सका है; उस आनंद को देख सका है, जिसे प्राण दिया जा सकता है, जिसमें अहैतुक प्रेम ढाल दिया जा सकता है, जिसकी चेतना असीम चैतन्यलोक में राह दिखा सकती है। जब मैं इस मूक हृदय का प्राणपण आत्मनिवेदन देखता हूँ, जिसमें वह अपनी दीनता बताता रहता है, तब मैं यह सोच ही नहीं पाता कि उसने अपने सहज बोध से मानव स्वरूप में कौन-सा अमूल्य आविष्कार किया है; इसकी भाषाहीन दृष्टि की करुण व्याकुलता जो कुछ समझती है, उसे समझा नहीं पाती और मुझे इस दृष्टि से मनुष्य का सच्चा परिचय समझा देती है।''

(२) निम्नलिखित घटनाओं का उचित क्रम लिखिए : (२)

(i) रोम-रोम से स्नेहरस का अनुभव।

(ii) चेहरे पर परितृप्ति छाना।

(iii) गुरुदेव के पास आकर खड़े होना।

(iv) आँखें मूँदना।

(३) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए : (१)

(१) कुत्ता — ☐

(२) कवि — ☐

(ii) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए : (१)

(१) राह — ☐

(२) आँखें — ☐

(४) 'पालतू जानवरों की स्वामिनिष्ठा' पर ६ से ८ पंक्तियों में अपने विचार लिखिए। (२)

Previous Pathshala

(इ) निम्नलिखित के ८० से १०० शब्दों में उत्तर लिखिए (कोई एक) : [४]

(१) शनि ग्रह को लेकर विविध भ्रम और अंधविश्वास प्रचलित हैं। स्पष्ट कीजिए।

(२) 'मृत्युबोध के कुछ और क्षण' पाठ में चित्रित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

(३) महादेवी वर्मा का पशु-पक्षियों के प्रति प्रेमभाव अपने शब्दों में लिखिए।

(२) पद्य विभाग : अंक - १६

कृति २ (अ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : [६]

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

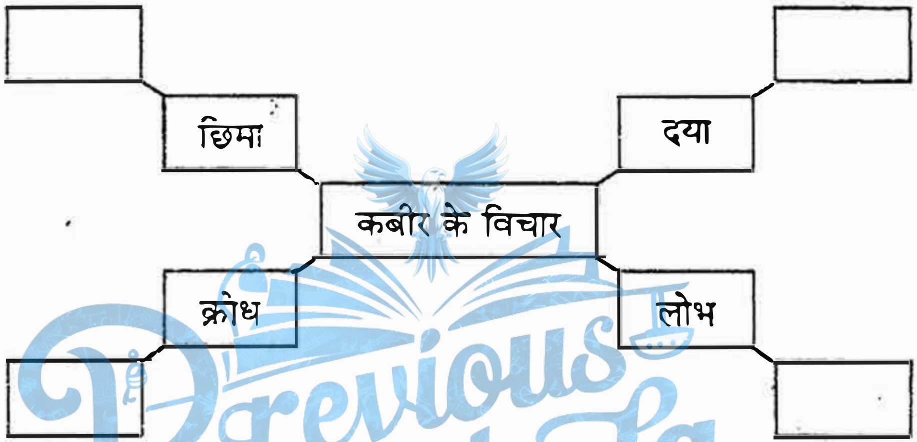

ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को सीतल करै, आपहु सीतल होय।।

पाहन पूजे हरि मिलैं, तो मैं पूजूँ पहार।
ताते यह चाकी भली, पीस खाय संसार।।

जहाँ दया तहँ धर्म है, जहाँ लोभ तहँ पाप।
जहाँ क्रोध तहँ काल है, जहाँ छिमा तहँ आप।।

(२) कृति पूर्ण कीजिए :

(i) बानी की विशेषताएँ (१)

(१) ____________

(२) ____________

(ii) निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखिए : (१)

(१) चाकी — ____________

(२) संसार — ____________

Previous Pathshala

(३) उपर्युक्त दोहों का भावार्थ ६ से ८ पंक्तियों में लिखिए । (२)

(आ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : **[६]**

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

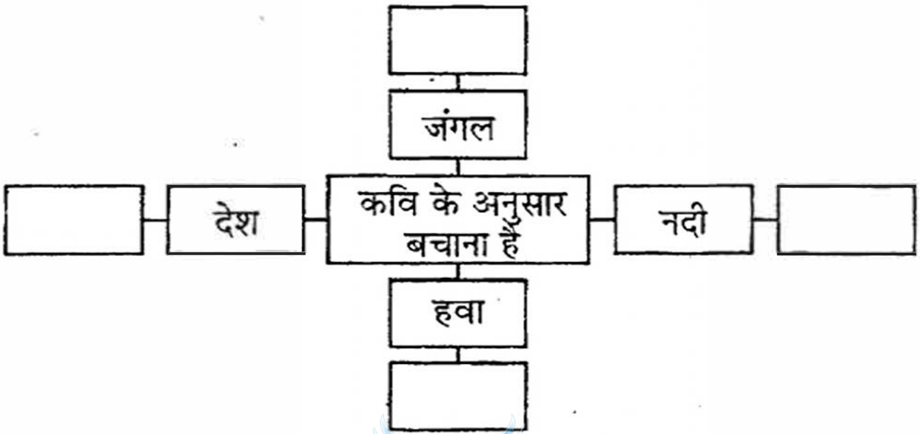

दरअसल शुरू से ही था हमारे अंदेशों में
कहीं एक जानी दुश्मन
कि घर को बचाना है लुटेरों से
शहर को बचाना है नादिरों से
देश को बचाना है, देश के दुश्मनों से
बचाना है –
नदियों को नाला हो जाने से
हवा को धुँआ हो जाने से
खाने को जहर हो जाने से :
बचाना है – जंगल को मरुथल हो जाने से,
बचाना है – मनुष्य को, जंगल हो जाने से।

(२) शब्द-सारिणी की सहायता से समान अर्थ के शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (२)

लु	शं	का	प	i) हवा	
ह	टे	व	क	ii) अंदेशा	
र	न	रा	म	iii) नादिर	
रे	गि	स्ता	न	iv) मरुथल	

Previous Pathshala

(३) उपर्युक्त पद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लगभग ६ से ८ पंक्तियों में लिखिए। (२)

(इ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : [४]

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

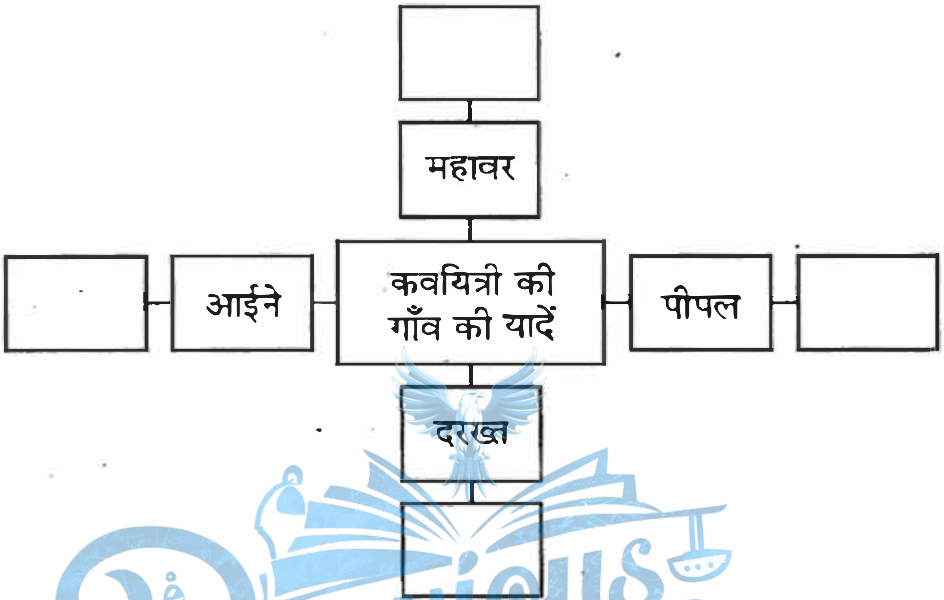

बहुत याद आता है, मेरा छोटा-सा गाँव,
आईने सी बहती नदियाँ और पीपल की छाँव,
दरख्त से बँधी, थिरकती, छोटी सी नाँव,
महावर लगे, चढ़ते-उतरते वे पाँव
बहुत याद आता है.......
नटखट बछड़ा, रंभाती थी गैया
रसोई बनाती यशोदा-सी मैया
चोटी पकड़ खींचता, चिढ़ाता था भैया
छेड़ते जब चाचा, चाची कहती 'हटो जाव'

(२) उपर्युक्त पद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लगभग ६ से ८ पंक्तियों में लिखिए। (२)

Previous Pathshala

(३) द्रुतवाचन विभाग : अंक - १०

कृति ३ (अ) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : [६]

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

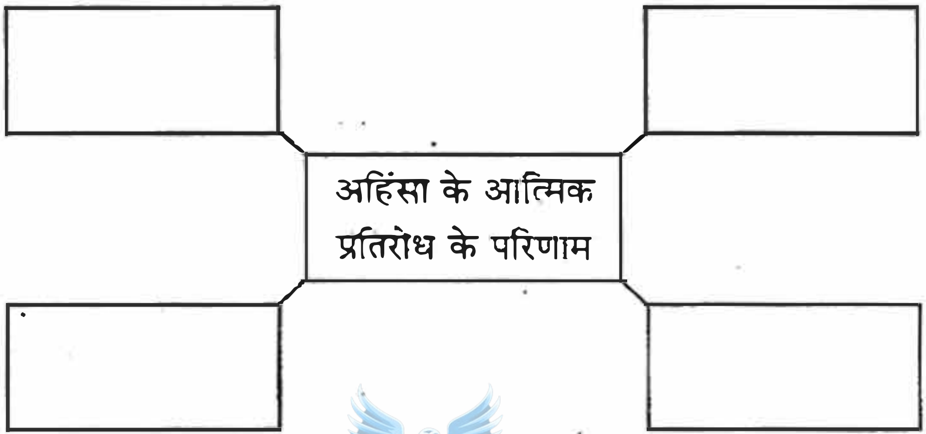

अहिंसा की जो मेरी धारणा है, उसके अनुसार वह प्रतिकार की अपेक्षा दुष्ट के विरुद्ध संघर्ष करने का कहीं ज्यादा सक्रिय और सबल साधन है। मैं अत्याचारी की तलवार की धार को उससे भी ज्यादा धारदार शस्त्र से बोथरा करना नहीं चाहता, बल्कि उसकी इस आशा को धूमिल करना चाहता हूँ कि मैं उसका शारीरिक प्रतिरोध करूँगा। इसके बजाय मैं जो आत्मिक प्रतिरोध करूँगा उससे वह भ्रांत हो जायेगा। मेरा आत्मिक प्रतिरोध पहले तो उसको चकित कर देगा, पर अंतत: वह उसका लोहा मान लेगा, और ऐसा करने से उसकी अवमानना नहीं होगी बल्कि उत्थान होगा। आप कह सकते हैं कि यह एक आदर्श स्थिति है।

मैं मानता हूँ कि जो शक्तिशाली है, वह दुर्बल को लूटेगा। लेकिन यह बात मनुष्य की आत्मा के बारे में कही गई है, शरीर के बारे में नहीं। अगर यह शरीर के बारे में कही गई होती तो हम दुर्बलता से कभी मुक्त न हो पाते। लेकिन आत्मा की शक्ति पूरी दुनिया के सशस्त्र विरोध का मुकाबला कर सकती है। आत्मा की यह शक्ति दुर्बल-से-दुर्बल शरीर में भी अर्जित की जा सकती है।

अहिंसा मानवता को उपलब्ध सबसे बड़ा बल है। मनुष्य ने अपनी होशियारी से विनाश के जो शक्तिशाली-से-शक्तिशाली अस्त्र-शस्त्र बनाए हैं, अहिंसा उनसे भी अधिक शक्तिशाली है। विनाश मानवों का नियम नहीं है। मनुष्य कभी अपने भाई को मारकर नहीं बल्कि ज़रूरत पड़े तो उसके हाथों मरने के लिए तैयार रहकर आज़ादी से जीता है।

Previous Pathshala

Previous Pathshala

अहिंसा रेडियम की तरह काम करती है। इसी प्रकार, थोड़ी-सी भी सच्ची अहिंसा चुपचाप, सूक्ष्म और अदृश्य रूप से काम करती है।

(२) निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत, पहचानिए : (२)

(१) अहिंसा एक आत्मिक शक्ति है।

(२) आत्मा की शक्ति दुर्बल-से-दुर्बल शरीर में अर्जित नहीं की जा सकती।

(३) अहिंसा मानवता का सबसे बड़ा बल है।

(४) अहिंसा रेडियम की तरह काम नहीं करती।

(३) 'अहिंसा का जीवन में महत्त्व' इसपर ६ से ८ पंक्तियों में अपने विचार लिखिए। (२)

(आ) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : [४]

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

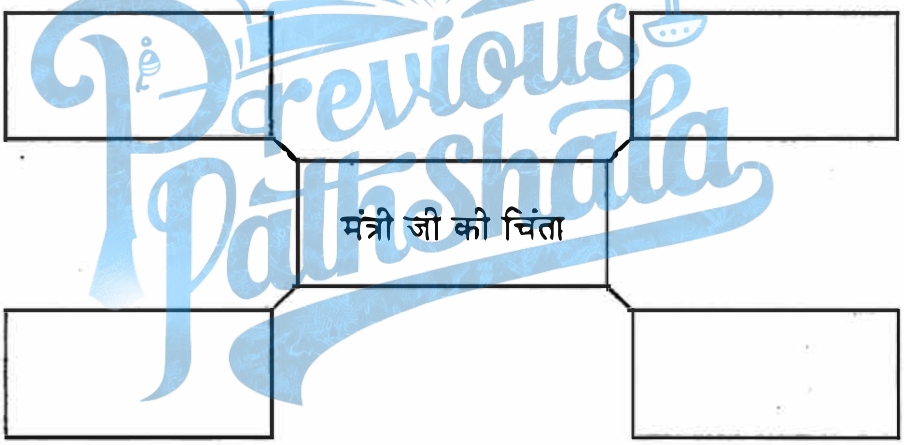

कुछ दिनों बाद राजा चल बसा। मंत्री जी को फिक्र हुई, अब कौन राज-काज सँभाले? कौन राजा बने? वह खुद बहुत बूढ़े थे। राज-काज से अब वह भी छुटकारा चाहते थे। मगर इसके पहले किसी चतुर आदमी के हाथ में वह राज-काज सौंप देना चाहते थे। ऐसा चतुर आदमी आखिर कहाँ मिले, कैसे मिले? मंत्री इसी सोच में थे। उन्होंने कुछ चतुर-सयाने लोगों से सलाह ली पर कोई ठीक राय दे न सका। मंत्री सब तरफ से निराश हो गए। कुछ सूझ नहीं रहा था, क्या करें? राजा का चुनाव साधारण काम तो था नहीं...... राज्यभर की जनता के हित-अहित का सवाल था। कहीं किसी गलत आदमी को राजा चुन बैठे तो राज बरबाद हो सकता था। मंत्री को यह सवाल नामुमकिन जान पड़ने लगा।

Previous Pathshala

तो क्या वह सवाल सचमुच ही नहीं सुलझा?

नहीं, वह एक दिन अचानक ही सुलझ गया।

उस दिन मंत्री महल के पीछे सरोवर के किनारे टहल रहे थे। वह जगह सुहावनी और सुनसान थी। मंत्री को जब कोई गहरी बात सोचनी होती थी तब वे वहीं चले जाते थे। उस दिन भी वहाँ नया राजा चुनने के बारे में सोचने गए थे।

मंत्री जी सोच में डूबे थे कि यकायक उनके कानों में कुछ भनक पड़ी। पास कोई बातचीत कर रहा था। मंत्री ने सोचा, इस सुनसान जगह में कौन बातचीत कर रहा है? बातचीत की आवाज सरोवर के बीच से आ रही थी। मंत्री ने उस ओर देखा, हंस और हंसिनी उन्हीं के बारे में बातें कर रहे थे। मंत्री कान लगाकर उनकी बातें सुनने लगे।

(२) निम्नलिखित घटनाओं का सही क्रम लगाइए : (२)

(i) हंस-हंसिनी की बातें सुनना।

(ii) मंत्री जी की फिक्र।

(iii) राजा की मृत्यु।

(iv) सरोवर के किनारे भटकना।

(४) व्याकरण विभाग : अंक - १०

कृति ४ (अ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों के काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए : [१०] (२)

(१) काम करने से भीतर की शक्ति जाग उठती है। (पूर्ण भूतकाल में)

(२) चौधरी अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजेगा। (सामान्य वर्तमान काल में)

(३) बहुत से युवक अपनी योग्यता की डींग हाँके बिना संतुष्ट नहीं होते। (सामान्य भविष्यत् काल में)

(आ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों के रचना के अनुसार भेद पहचानकर लिखिए : (२)

(१) सबसे पहले यह जरुरी है कि खतरों को पहचाना जाए।

(२) ढाई-तीन साल की लड़की चादर पर अधलेटी उँघ रही थी।

(३) एक दानिशमंद इंसान की मदद ली और फ़ॉर्म को किसी भाँति भरा।

Previous Pathshala

(इ) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं दो के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए : (२)

(१) कलेजे में तीर लगना।

(२) पैरों पर लोटना।

(३) काला अक्षर भैंस बराबर।

(४) हाथ-पर-हाथ धरे बैठना।

(ई) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द का भाववाचक संज्ञा रूप लिखिए : (१)

(१) दुलारना

(२) योग्य

(उ) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द का विशेषण रूप लिखिए : (१)

(१) ख़ौफ़

(२) व्यवसाय

(ऊ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिरसे लिखिए : (२)

(१) भारत का राष्ट्रीय आदर्श है; त्याग ओर सेवा।

(२) बहोत से मनुष्य सुख का अर्थ नहीं समझता।

(३) पाणी, जो जिवन का आधार है।

कृति ५ निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग २५० से ३०० शब्दों में निबंध लिखिए : [१०]

(१) दैनिक जीवन में अनुशासन का महत्त्व।

(२) तंग आ गया हूँ - इस महँगाई से।

(३) शिक्षा क्षेत्र में - विज्ञान का योगदान।

(४) अकाल पीड़ित की आत्मकथा।

(५) यदि लोकतंत्र न होता.....।

कृति ६ (अ) पत्रलेखन : [५]

निम्नलिखित विषय पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए :

कला / केशव बोरसे A-३०१, आगरकर रोड, मुंबई	छात्रवृत्ति पाने हेतु	प्राचार्य, कनिष्ठ महाविद्यालय, मुंबई

अथवा

Previous Pathshala

वृत्तांत लेखन कीजिए :

अपने कनिष्ठ महाविद्यालय के हिंदी–दिवस समारोह का वृत्तांत लेखन कीजिए।

(आ) निम्नलिखित अपठित गद्यखंड ध्यान से पढ़िए और उसपर आकलन हेतु केवल पाँच प्रश्न तैयार कीजिए : [५]

शरीरवृद्धि के साथ मनोवृद्धि होती है। लड़कों की मनोवृद्धि करनी है, उनको शिक्षा देनी है, तो शारीरिक श्रम कराके उनकी भूख जागृत करनी चाहिए। परिश्रम से उनकी भूख बढ़ेगी। जिनको दिनभर में तीन बार अच्छी भूख लगती है, उसे अधिक धार्मिक समझना चाहिए। भूख लगना जिंदा मनुष्य का धर्म है। जिसे दिनभर में एक ही दफा भूख लगती है, संभवत: उसका जीवन अनीतिमय होगा। भूख तो भगवान का संदेश है। भूख न होती तो दुनिया बिल्कुल अनीतिमान और अधार्मिक बन जाती।

अथवा

दहेज प्रथा पर साक्षात्कार का नमूना तैयार कीजिए :

लड़की	लड़का

(इ) निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों के लिए हिंदी पारिभाषिक शब्द लिखिए : [४]

(1) Grant
(2) Tragedy
(3) Manager
(4) Dispute
(5) Hardware
(6) Gravitation
(7) Administration
(8) Stay

अथवा

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए :

संपर्क	घर किराए पर देना है	विशेषताएँ

◆◆◆

Previous Pathshala